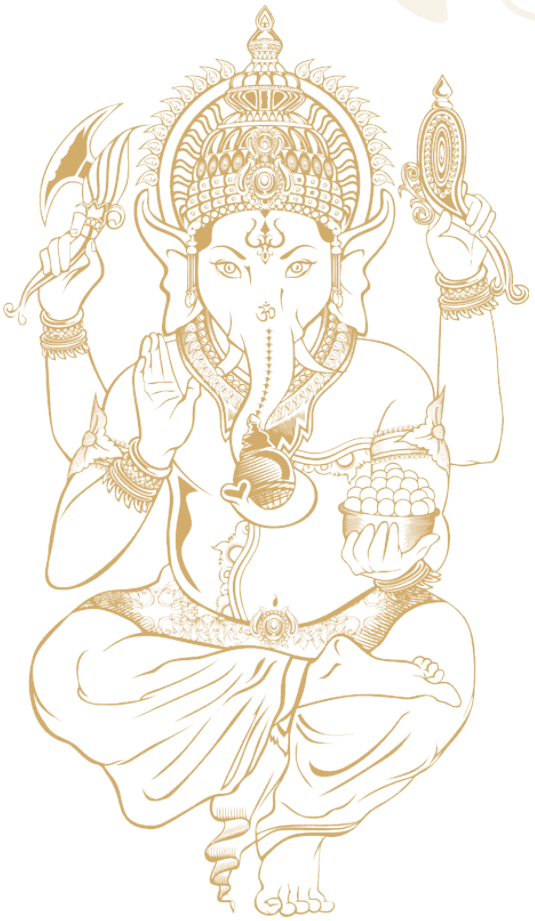

kunal

13 Feb 2026

03:00 PM

Nagpur

Model: web-freekundliweb **Order No: 121282907**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/02/2026**
दिवस	शुक्रवार
जन्म समय	**15:00:00 कला**
इष्ट	20:37:15 घटी
स्थान	**Nagpur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:12 कला
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
स्थानिक वेल	14:46:48 कला
वेलान्तर	-00:14:12 कला
साम्पातिक वेल	00:20:32 कला
सूर्योदय	06:45:06 कला
सूर्यास्त	18:09:58 कला
दिनमान	11:24:52 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्याचे अंश	00:27:27 कुम्भ
लग्नाचे अंश	19:06:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	मिथुन – बुध
राशि–स्वामी	**धनु – गुरु**
नक्षत्र–चरण	**मूल – 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	उंदीर
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी–भीमा
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:06:52	320:46:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	----
सूर्य			कुंभ	00:27:27	01:00:40	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगळ	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	12:43:11	12:09:28	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगळ		अ	मक	22:13:52	00:47:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	16:36:59	01:33:36	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:55:56	00:04:52	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	09:29:29	01:15:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:42:32	00:06:34	उ.भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:49:17	00:02:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:49:17	00:02:18	पू.फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:16:27	00:00:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	----
नेप			मीन	06:17:12	00:01:55	उ.भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	----
प्लूटो			मक	09:51:33	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	----
दशम भाव			मीन	11:22:15	--	उ.भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	चंद्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
लाहिरी अयनांश : 24:13:26

लग्न–चलित

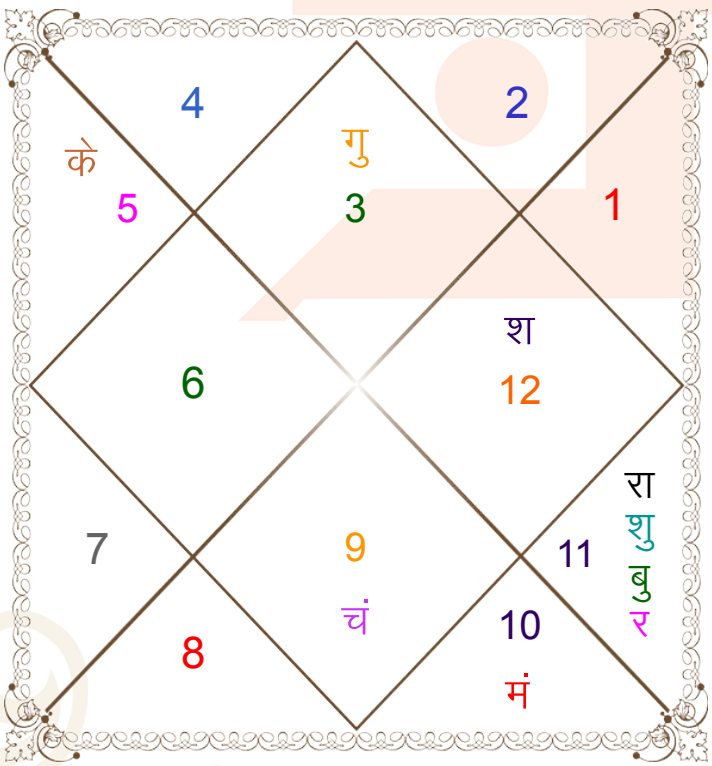

चन्द्र कुंडली

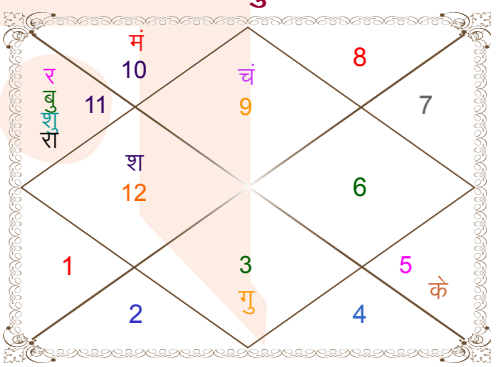

नवमांश कुंडली

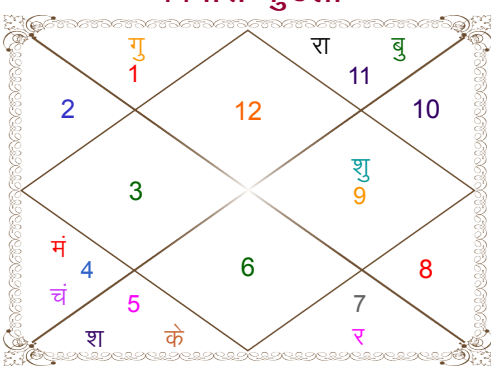

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : केतु 0 वर्ष 3 महिना 26 दिवस

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष	
13/02/2026		11/06/2026		11/06/2046		10/06/2052		11/06/2062	
11/06/2026		11/06/2046		10/06/2052		11/06/2062		11/06/2069	
	00/00/0000	शुक्र	10/10/2029	सूर्य	28/09/2046	चंद्र	11/04/2053	मंगळ	07/11/2062
	00/00/0000	सूर्य	11/10/2030	चंद्र	30/03/2047	मंगळ	10/11/2053	राहु	25/11/2063
	00/00/0000	चंद्र	10/06/2032	मंगळ	05/08/2047	राहु	12/05/2055	गुरु	31/10/2064
	00/00/0000	मंगळ	10/08/2033	राहु	29/06/2048	गुरु	10/09/2056	शनि	10/12/2065
	00/00/0000	राहु	10/08/2036	गुरु	17/04/2049	शनि	11/04/2058	बुध	07/12/2066
	00/00/0000	गुरु	11/04/2039	शनि	30/03/2050	बुध	10/09/2059	केतु	06/05/2067
	00/00/0000	शनि	11/06/2042	बुध	03/02/2051	केतु	10/04/2060	शुक्र	05/07/2068
	13/02/2026	बुध	11/04/2045	केतु	11/06/2051	शुक्र	10/12/2061	सूर्य	09/11/2068
बुध	11/06/2026	केतु	11/06/2046	शुक्र	10/06/2052	सूर्य	11/06/2062	चंद्र	11/06/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/06/2069		11/06/2087		12/06/2103		12/06/2122		12/06/2139	
11/06/2087		12/06/2103		12/06/2122		12/06/2139		14/02/2146	
राहु	22/02/2072	गुरु	29/07/2089	शनि	15/06/2106	बुध	07/11/2124	केतु	08/11/2139
गुरु	17/07/2074	शनि	10/02/2092	बुध	22/02/2109	केतु	05/11/2125	शुक्र	07/01/2141
शनि	23/05/2077	बुध	17/05/2094	केतु	03/04/2110	शुक्र	05/09/2128	सूर्य	15/05/2141
बुध	11/12/2079	केतु	23/04/2095	शुक्र	02/06/2113	सूर्य	12/07/2129	चंद्र	14/12/2141
केतु	28/12/2080	शुक्र	22/12/2097	सूर्य	15/05/2114	चंद्र	11/12/2130	मंगळ	12/05/2142
शुक्र	29/12/2083	सूर्य	11/10/2098	चंद्र	15/12/2115	मंगळ	09/12/2131	राहु	31/05/2143
सूर्य	22/11/2084	चंद्र	10/02/2100	मंगळ	23/01/2117	राहु	27/06/2134	गुरु	06/05/2144
चंद्र	24/05/2086	मंगळ	16/01/2101	राहु	29/11/2119	गुरु	02/10/2136	शनि	15/06/2145
मंगळ	11/06/2087	राहु	12/06/2103	गुरु	12/06/2122	शनि	12/06/2139	बुध	14/02/2146

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 25 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।